उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा 2023

अर्थशास्त्र (मॉडल पेपर)

नोट: प्रश्न संख्या 1 से 10 तक बहुविकल्पीय प्रश्न है, प्रश्न संख्या 11 से 18 (शब्द सीमा 25) तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न है, प्रश्न संख्या 19 से 24 तक लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 150) है और 25 से 27 तक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न है (शब्द सीमा 300).

बहुविकल्पिय प्रश्न :-

1. निम्नलिखित में से कौन सा व्यष्टि अर्थशास्त्र का एक उदहारण नहीं है ? (1)

क) एक व्यक्ति की बचत

ख) एक गृहस्थ का उपभोग

ग) एक फर्म का कीमत स्तर

घ) अर्थव्यवस्था में समग्र मांग

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

2. वस्तु की मांग में परिवर्तन कीमत के अनुपात में हो तो उस वस्तु की मांग होगी --- (1)

क) इकाई के बराबर लोचदार

ख) इकाई से कम लोचदार

ग)पूर्णत: लोचदार

घ)पूर्णत: बेलोचदार

3. ऋणात्मक प्रतिफल की अवस्था में ----- (1)

क) सीमांत उत्पाद घटता है।

ख) सीमांत उत्पाद बढता है

ग) सीमांत उत्पाद ऋणात्मक होता है

घ) इनमे से कोई नहीं

4. कुल संप्राप्ति है ---- (1)

क) M × G

ख) Q × D

ग) P × Q

घ) इनमे से कोई नहीं

5. उपभोक्ता की आय अधिक होने पर वे ----------- वस्तुओं पर अधिक व्यय करते है । (1)

क) सामान्य

ख) निम्न स्तरीय

ग) उच्च स्तरीय

घ) ये सभी

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

6. जब कुल संप्राप्ति में ह्रास होता है तो सीमांत संप्राप्ति होती है ---- (1)

क) धनात्मक

ख) ऋणात्मक

ग) क तथा ख दोनों

घ) इनमे से कोई नहीं

7. समष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन में सहायक है ---- (1)

क) कल्याण

ख) आर्थिक विकास

ग) आर्थिक तुलना

घ) ये सभी

8. सकल निवेश बराबर है ----- (1)

क) शुद्ध निवेश - मूल्यह्रास

ख) शुद्ध निवेश + मूल्यह्रास

ग) शुद्ध निवेश × मूल्यह्रास

घ) शुद्ध निवेश ÷ मूल्यह्रास

9. एक देश में केंद्रीय बैंक होता/ होते है --- (1)

क) दो

ख) एक

ग) तीन

घ) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

10. अंतिम वस्तुओं के निर्गत नियोजित मूल्य को कहते है? (1)

क) प्रत्याशित माप

ख) उपभोग

ग) निर्गत

घ) निवेश

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

11. **बजट रेखा क्या है ? (3)**

उत्तर:- बजट रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी हुई आय एवं वस्तु की कीमत के आधार पर खरीद सकता है ।

12. **मांग की कीमत लोच ज्ञात करने की अनुपातिक रीति का सूत्र लिखिए । (3)**

उत्तर:- मांग की कीमत लोच,

$$Ed = \Delta Q / Q \times P / \Delta P$$

13. **समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं बताये । (3)**

उत्तर:- समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं -

1. सामुहिक अर्थशास्त्रीय विरोधाभास
2. व्यक्तिगत इकाइयों की अवहेलना

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

14. **राजस्व व्यय के किन्ही तीन मदों के नाम लिखिए । (3)**

उत्तर:- राजस्व व्यय की मदें -

1. सरकारी कर्मियों का वेतन
2. व्याज का भुगतान
3. पेंशन एवं सरकारी कार्यलयों का व्यय

15. **अल्पकाल एवं दीर्घकाल में भेद लिखये । (3)**

उत्तर :- अल्पकाल का अर्थ है अल्प अवधि का समय अर्थात एक वर्ष से कम की अवधि जबकि दीर्घकाल का अर्थ होता है रक लम्बी अवधि एक वर्ष से अधिक की अवधि ।

16. **पैमाने के प्रतिफल का अर्थ लिखिए । (3)**

उत्तर:- दीर्घकाल में उत्पत्ति के सभी साधनों को एक निश्चित अनुपात में परिवर्तन करने से उत्पादन में भी परिवर्तन होता है, इसे ही पैमाने के प्रतिफल का नियम कहते है ।

17. **सार्वजानिक वस्तु किसे कहते है ? (3)**

उत्तर:- सामूहिक आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए जिन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, उन्हें सार्वजनिक वस्तुएं कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

18. **औसत संप्राप्ति वक्र किसे कहते है ? (3)**

उत्तर:- किसी वस्तु की प्रति इकाई कीमत को औसत संप्राप्ति कहते है ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

19. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर सपष्ट कीजिये । (6)

उत्तर:-

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र व्यक्तिगत अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक संबंधो अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करता है।	समष्टि अर्थशास्त्र सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक संबंधो अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करता है।
व्यष्टि अर्थशास्त्र मुख्यतः एक व्यक्तिगत फर्म अथवा उद्योग में उत्पादन तथा कीमत के निर्धारण से संबंधित है ।	समष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन तथा सामान्य कीमत स्तर के निर्धारण से है ।
इसके मुख्य उपकरण मांग और पूर्ति है ।	इसके मुख्या उपकरण समग्र मांग और समग्र पूर्ति है ।
व्यष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन की यह मान्यता है कि यह समष्टि पर स्थिर रहता है ।	समष्टि अर्थशास्त्र की मान्यता है की यह व्यष्टि पर स्थिर रहता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

20. लाभ अधिकतमीकरन को परिभाषित कीजये । इसके होने की आवश्यक शर्ते भी बताये। (6)

उत्तर:- लाभ अधिकतमीकरन से आशय एक फर्म या उत्पादक की वह स्थिति से है जब फर्म को अधिकतम लाभ की प्राप्ति होती है तथा उसकी हानियाँ न्यूनतम होती है । अर्थात इस ऐसी स्थिति जहाँ एक उत्पादक के कुल आगम और कुल लागत के मध्य अंतर सबसे अधिक होता है उस स्थिति को लाभ अधिकतमीकरन कहा जाता है ।

इसप्रकार,

लाभ = कुल आगम - कुल लागत

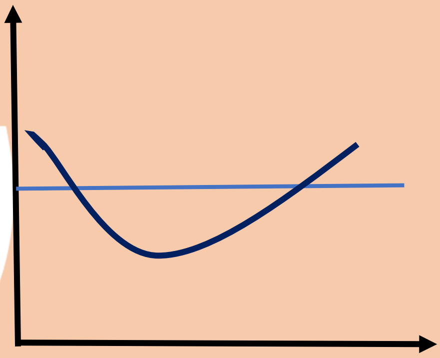

लाभ अधिकतमीकरन होने की प्रमुख शर्ते -

1. सीमांत आगम (MR) और सीमांत लागत (MC) बराबर होने चाहिए ।
2. MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटना चाहिए ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

21. एक पूर्ण स्पर्धी बाजार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये । (6)

उत्तर:- पूर्ण स्पर्धी बाजार की प्रमुख विशेषताएं :-

1. क्रेता और विक्रेता की अधिक संख्या - इस बाजार में क्रेता और विक्रेता की संख्या अधिक होती है ।
2. समरूप वस्तु - इस बाजार में सभी विक्रेताओं के पास समरूप वस्तुएं होती है अर्थात वस्तुओं में किसी प्रकार का कोई भी अन्तर नहीं होता है ।

3. बाजार को दशाओं का पूर्ण ज्ञान - क्रेताओं और विक्रेताओं को बाजार की दशाओं का पूर्ण ज्ञान होता है ।
4. कीमत का निर्धारण - इस बाजार में वस्तुओं की कीमत का निर्धारण वस्तु की मांग और पूर्ति द्वारा बाजार में होता है ।
5. बजार में प्रवेश एवं निकासी - इस बाजार में कोई भी नया विक्रेता प्रवेश कर सकता है तथा कोई भी उद्योग को छोड़ सकता है ।
6. विक्रय लागत - इस बाजार में विक्रय लागत शुन्य होती है, क्योंकि सभी को बाजार की दशाओं का पूर्ण ज्ञान होता है इसलिए किसी प्रकार के विज्ञापन की आवश्यकता नही होत्ती है ।

22. केंद्रीय बैंक को 'बैंकों का बैंक' क्यों कहा जाता है ? (6)

उत्तर:- केंदीय बैंक देश के सभी बैंकों का सर्वोच्च बैंक होता है । इसका देश के अन्य बैंकों के साथ लगभग वैसा ही सम्बन्ध होता है जैसा कि एक व्यावसायिक बैंक का अपने ग्राहक के साथ होता है । बैंकों का बैंक होने के नाते, केंद्रीय बैंक व्यावसायिक बैंकों को ऋण देता है तथा उनसे जमायें स्वीकार करता है । केंद्रीय बैंक व्यावसायिक बैंकों के कुछ नकद कोष को अपने पास अनिवार्य जमा के रॉप में रखता है । केंद्रीय बैंक कोषों का प्रयोग व्यावसायिक बैंकों को उधार देने के लिए करते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यावसायिक बैंकों को अल्पकाल के लिए दिए जाने वाले ऋणों पर केंद्रीय बैंक ब्याज लेते है । इस ब्याज की दर को रेपो रेट कहते है । केंद्रीय बैंक व्यावसायिक बैंकों को उनके अतिरिक्त फंड्स अपने पास रखने की सुबिधा भी प्रदान करते है । इन फंड्स पर वह व्यावसायिक बैंकों को ब्याज भी देता है जिसे रिवर्स रेपो दर कहते है ।

इस प्रकार देश का केंद्रीय बैंक, बैंकों के बैंक की भूमिका अदा करता है ।

23. 1929 की महामंदी का वर्णन करें । (6)

उत्तर:- 1929 में महामंदी ने जन्म लिया जो 1933 तक बनी रही इस महामंदी ने विश्व के विकसित देशों को चूर-चूर कर दिया। इस महामंदी में उत्पादन था परन्तु खरीदने वाले नहीं थे। 1929-33 के दौरान संयुक्त राष्ट्र अमेरिका और यूरोपीय देशों के कुल उत्पादन तथा रोजगार के स्तरों में भारी गिरावट आई। इसका प्रभाव दुनिया के अन्य। देशों पर भी पड़ा। • कई कारखाने बंद हो गए तथा श्रमिकों को निकाल दिया गया। • बेरोजगारी की दर 1929 से 1933 तक 3% से बढ़कर 25% तक हो गई। • 1929-33 के दौरान संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में समग्र निर्गत में लगभग 33% की गिरावट आई। इन परिस्थितियों में केन्ज की पुस्तक 'रोजगार, ब्याज एवं मुद्रा का सामान्य सिद्धान्त' 1936 में प्रकाशित हुई जिससे समष्टि अर्थशास्त्र जैसे विषय का उद्भव हुआ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

24. आय के चक्रीय प्रवाह किसे कहते है ? (6)

उत्तर:- आय का चक्रीय प्रवाह अर्थव्यवस्था में, विभिन्न क्षेत्रों, अर्थात घरेलू, फर्म, सरकार और विदेशी क्षेत्र में, एक परिपत्र प्रवाह में धन और वस्तुओं की आवाजाही को संदर्भित करता है।

एक अर्थव्यवस्था को उत्पादन, वितरण, विनिमय, उपभोग और निवेश की एकीकृत व्यवस्था के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

ये प्रक्रियाएं अर्थव्यवस्था के अस्तित्व और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उपभोक्ता उत्पादकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं को पैसे के लिए खरीदते हैं, जिससे आय उत्पन्न होती है। और इसलिए, प्रक्रिया में उत्पन्न आय एक परिपत्र गति में चलती है। इसे आय का चक्रीय प्रवाह कहते हैं। इसके अलावा, यह एक सतत प्रक्रिया है, क्योंकि प्रवाह का कोई अंत नहीं है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

25. मांग की लोच से आप क्या समझते है ? इसकी विभिन्न श्रेणियों का सचित्र वर्णन कीजिये । (10)

उत्तर:- वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग की मात्रा में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को मांग की कीमत लोच कहा जाता है ।

मांग की लोच की पांच प्रमुख श्रेणियां होती है :-

1. **सापेक्षता लोचदार मांग (Ed > 1) :-** जब वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की मांग में उससे अधिक परिवर्तन होता है, तो उसे सापेक्षता लोचदार मांग कहते है ।

   अर्थात,

   वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन < वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

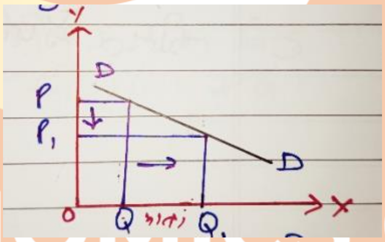

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

2. **सापेक्षता बेलोचदार मांग (Ed < 1):-** जब वस्तु के कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की मांग में उससे कम परिवर्तन होता है, तो उसे सापेक्षता बेलोचदार मांग कहते है ।

   अर्थात,

   वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन > वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

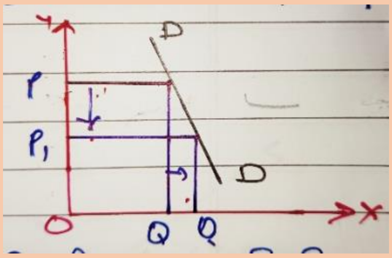

3. **इकाई लोचदार मांग (Ed=1):-** जब वस्तु के कीमत में होने वाले परिवर्तन के समान ही वस्तु की मांग में परिवर्तन होता है, तो उसे इकाई लोचदार मांग कहते है ।

अर्थात,

वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन = वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

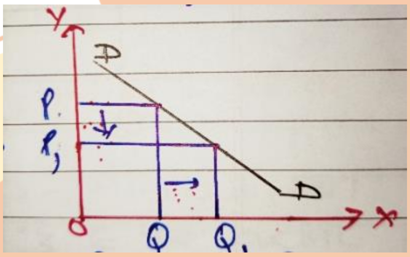

4. **पूर्णत: लोचदार मांग (Ed = infinitive):-** जब वस्तु की कीमत में परिवर्तन न होने या बहुत कम परिवर्तन होने पर भी वस्तु की मांग में अधिक परिवर्तन होता है तो उसे वस्तु की पूर्णतया लोचदार मांग कहते है ।

अर्थात,

इस स्थिति में कीमत में परिवर्तन = 0

मांग में परिवर्तन = अधिक

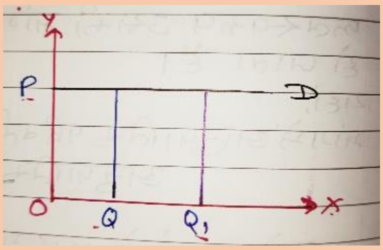

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

5. **पूर्णत: बेलोचदार मांग** :- वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर भी जब वस्तु की मांग में कोई परिवर्तन न हो उसे पूर्णतया बेलोचदार मांग कहते है ।

अर्थात,

इस स्थिति में कीमत में परिवर्तन = अधिक

मांग में परिवर्तन = शुन्य

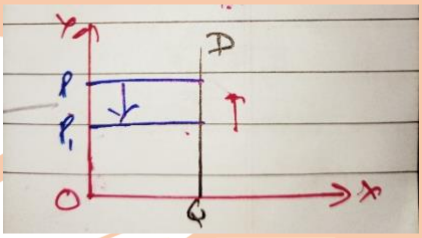

26. पूर्ण प्रतिस्पर्धा की विशेषताएं बताइए । पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म कीमत स्वीकारक क्यों होती है ? (10)

उत्तर: पूर्ण की विशेषताएं:-

1. **क्रेता और विक्रेता की अधिक संख्या** - इस बाजार में क्रेता और विक्रेता की संख्या अधिक होती है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

2. **समरूप वस्तु** - इस बाजार में सभी विक्रेताओं के पास समरूप वस्तुएं होती है अर्थात वस्तुओं में किसी प्रकार का कोई भी अन्तर नहीं होता है ।

3. **बाजार को दशाओं का पूर्ण ज्ञान** - क्रेताओं और विक्रेताओं को बाजार की दशाओं का पूर्ण ज्ञान होता है ।

4. **कीमत का निर्धारण** - इस बाजार में वस्तुओं की कीमत का निर्धारण वस्तु की मांग और पूर्ति द्वारा बाजार में होता है ।

5. **बजार में प्रवेश एवं निकासी** - इस बाजार में कोई भी नया विक्रेता प्रवेश कर सकता है तथा कोई भी उद्योग को छोड़ सकता है ।

6. **विक्रय लागत** - इस बाजार में विक्रय लागत शुन्य होती है, क्योंकि सभी को बाजार की दशाओं का पूर्ण ज्ञान होता है इसलिए किसी प्रकार के विज्ञापन की आवश्यकता नही होत्ती है ।

पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म कीमत स्वीकारक होती है :-

पूर्ण प्रतियोगिता में असंख्य क्रेता और विक्रेता मौजूद होते है । इस कारण किसी एक क्रेता या विक्रेता से बाजार को कोई प्रभाव नही पड़ता है । वस्तु की कीमत का निर्धारण बाजार में वस्तु की मांग और पूर्ति के आधार पर होती है। और इस कीमत को कोई व्यक्तिगत फर्म प्रभावित नहीं कर सकता है। अत: प्रत्येक फर्म को बाजार द्वारा निर्धारित कीमत को स्वीकार करना होता है ।

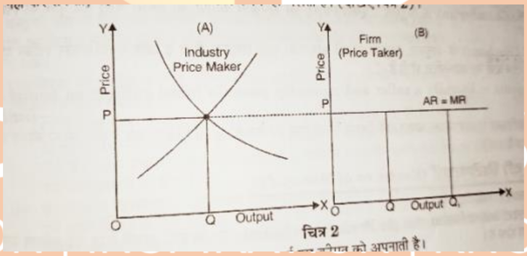

चित्र 2

27. केंद्रीकृत योजनावद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिये । (10)

उत्तर : केंद्रीकृत योजनावद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद:-

बाजार अर्थव्यवस्था	केंद्रीकृत योजनावद्ध अर्थव्यवस्था
बाजार अर्थव्यवस्था एक स्वतंत्र अर्थव्यवस्था है और केंद्रीय समस्याओं का समाधान कीमत तंत्र द्वारा होता है ।	केंद्रीकृत योजनावद्ध अर्थव्यवस्था सरकारी नियंत्रण वाली अर्थव्यवस्था है। केंद्रीय समस्याओं का संधान सरकारी आदेश से होता है ।
संपत्ति पर निजी स्वामित्व का अधिकार तथा संपत्ति की कोई सीमा नहीं होती है ।	संपत्ति के स्वामित्व पर उच्चतम सीमा लगे जा सकती है तथा निजी स्वामित्व सर्कार की देखभाल में होता है ।
उत्पादन की प्रक्रिया में सरकार की प्रत्यक्ष सहभागिता नहीं होती है ।	उत्पादन की प्रक्रिया में सरकार की प्रत्यक्ष सहभागिता होती है ।
उत्पादन प्रकिया का मुख्य उद्देश्य लाभ अधिकतम करना है ।	उत्पादन प्रकिया का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कल्याण को अधिकतम करना है ।
अर्थव्यवस्था का विकास बाजार शक्तियों पर निर्भर करता है ।	अर्थव्यवस्था का विकास योजनावद्ध कार्यक्रमों के अनुरूप होता है ।
विभिन्न निजी फर्मों के बीच गला काट प्रतियोगिता होती है।	इसमें प्रतियोगिता जैसी कोई चीज नहीं होती है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

THE ECONOMICS GURU

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE